दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 25-04-2026

जनगणना प्रक्रिया, सर्वेक्षण तकनीक व फील्ड की सावधानियों की जानकारी दी

जींद. सीआरएसयू में जनगणना को लेकर सम्बोधित करते वक्ता।

भास्कर न्यूज | जींद

हमारी जनगणना, हमारा विकास राष्ट्रीय अभियान के तहत चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम वीसी प्रो. राम पाल सैनी व कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना सेल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक कर्मचारी व बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक शामिल हुए। प्रतिभागियों को जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं गणना के लिए प्रशिक्षित किया गया।

विशेष प्रशिक्षक कमलजीत सिंह व सोनू सिहाग ने जनगणना प्रक्रिया, सर्वेक्षण तकनीक व फील्ड में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस चरण में मकान की संरचना, उपयोग, परिवार के सदस्यों की संख्या व मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी जानकारी एकत्र की जाएगी। साथ ही डिजिटल माध्यम व स्वयं जनगणना पोर्टल के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया।

कुलगुरु प्रो. सैनी ने कहा कि जनगणना राष्ट्र के विकास की आधारशिला है, जबकि कुलसचिव प्रो. गुप्ता ने इसे सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए युवाओं को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। अंत में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नवीन लडवाल ने आभार व्यक्त किया।

पंजाब केसरी

Date-25.04.2026

सी.आर.एस.यू. में जनगणना की तैयारियों को लेकर विशेष प्रशिक्षण आयोजित

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ता।

जींद, 24 अप्रैल (ललित): हमारी जनगणना, हमारा विकास राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत आगामी जनगणना-2027 की तैयारियों को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी तथा कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें विश्वविद्यालय प्रशासन की सक्रिय भूमिका देखने को मिली। विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) सैल द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को जनगणना प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें इसके प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए प्रशिक्षित करना था, ताकि वे इस राष्ट्रीय कार्य में प्रभावी योगदान दे सकें। इस अवसर पर कमलजीत सिंह एवं सोनू सिहाग विशेष प्रशिक्षक (ट्रेनर) के रूप में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने विस्तार से बताया कि जनगणना के इस प्रारंभिक चरण में प्रत्येक घर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की जाएगी। इसमें मकान की संरचना, उसका उपयोग (आवासीय/व्यावसायिक), परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति तथा मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, बिजली, शौचालय आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि जनगणना किसी भी राष्ट्र के समग्र विकास की आधारशिला होती है, क्योंकि इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े नीति निर्माण, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा संसाधनों के उचित वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नवीन लडवाल, कार्यक्रम समन्वयक-एन.एस.एस. द्वारा सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने सभी को जनगणना अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।